दिनांक: 11 अक्टूबर, 2021

क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के आय और व्यय का विश्लेषण : वित्तीय वर्ष 2019-20

(11 अक्टूबर, 2021 तक)

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स

द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट

पता: टी- 95 दूसरी मंजिल, सी एल हाउस,
गौतम नगर, दिल्ली – 110049
ईमेल: adr@adrindia.org; दूरभाष : 011- 4165 4200

सारांश

राजनीतिक दल विभिन्न स्त्रोतों से दान प्राप्त करते हैं इसलिए जवाबदेही और पारदर्शिता उनके कामकाज का महत्त्वपूर्ण पहलू होना चाहिए | व्यापक और पारदर्शिता लेखा प्रणाली के लिए आवश्यक है कि दलों सही वित्तीय स्थिति प्रदर्शित करें |

भारत निर्वाचन आयोग (ई.सी.आई.) ने 19 नवम्बर, 2014 को राजनीतिक दलों के अध्यक्षों /महामंत्रियों को सम्बोधित करते हुए अपने पत्र में लिखा कि सभी दलों को उनकी ऑडिट रिपोर्ट का विवरण प्रस्तुत करना अनिवार्य है | यह रिपोर्ट **वित्तीय वर्ष 2019-20** के दौरान **42 क्षेत्रीय दलों** द्वारा पूरे भारत वर्ष से **प्राप्त कुल आय और खर्च का** विश्लेषण करती है जैसा कि दलों द्वारा चुनाव आयोग को प्रस्तुत किए गए अपने ऑडिट रिपोर्ट में घोषित किया गया है |

विश्लेषण किये गए दलों में आम आदमी पार्टी, असम गण परिषद्, एआईएडीएमके, एआईएफबी, एआईएमआईएम, एआईएनआरसी, एआईयूडीफ, एजेएसयू, बीजेडी, डीएमडीके, डीएमके, गोवा फॉरवर्ड पार्टी, आईएनएलडी, आईपीएफटी, एआईयूएमएल, जेडीएस, जेडीयू, जेकेपीडीपी, जेएमएम, जेवीएम-पी, केसीएम, एलजेपी, एमजीपी, एमएनएफ, एमपीसी, एनडीपीपी, एनपीएफ, पीडीए, पीएमके, आरजेडी, आरएलडी, आरएलपी, शिरोमणि अकाली दल, एसडीएफ, शिवसेना, एसकेएम, समाजवादी पार्टी, टीडीपी, टीआरएस, वाईएसआर- कांग्रेस और ज़ैडएनपी |

क्षेत्रीय दलों द्वारा ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने की तारीख: वित्तीय वर्ष 2019-20

- राजनीतिक दलों के लिए वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने की नियमित तारीख **30 जून 2021** थी जो की **कोविड-19 महामारी** को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग ने समय सीमा विस्तारित की थी |
- **37** क्षेत्रीय दलों ने अपना ऑडिट रिपोर्ट निर्धारित समय सीमा पर जमा किया था जबकि **पांच दलों** (एनपीएफ, आईयूएमएल, ज़ैडएनपी, आईपीएफटी और केसी-एम) ने अपने ऑडिट रिपोर्ट **27 दिनों** से लेकर **77 दिनों** की देरी के बाद आयोग को प्रस्तुत किया |
- वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए, शेष **11 क्षेत्रीय दलों** के ऑडिट रिपोर्ट चुनाव आयोग की वेबसाइट पर आज की तारीख तक उपलब्ध नहीं हैं | इनमें **एमएनएस**, **जेकेएनपीपी**, **आरएलएसपी**, **जेकेएनसी** और **पीपीए** आदि प्रमुख दल शामिल हैं |
- इसलिए, यह रिपोर्ट **42** क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की आय और व्यय का विश्लेषण करती है, जिनका वित्तीय वर्ष 2019-20 का ऑडिट रिपोर्ट चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है |

Regional Parties: Due date for submission: 31 Oct,'20, Extended to 30 June 2021 due to Covid pandemic					
S.No.	Political Party	Party Code	Status of submission	Date of submission	No. of days by which delayed
1	People's Democratic Alliance	PDA	Submitted on time	13, July, 2020	-
2	Rashtriya Lok Dal	RLD	Submitted on time	29, September, 2020	-
3	Jammu and Kashmir Peoples Democratic Party	JKPDP	Submitted on time	12, November, 2020	-
4	Biju Janata Dal	BJD	Submitted on time	17, November, 2020	-
5	All India Anna Dravida Munnetra Kazhagam	AIADMK	Submitted on time	25, November, 2020	-
6	All India United Democratic Front	AIUDF	Submitted on time	1, December, 2020	-
7	Jharkhand Vikas Morcha (Prajatantrik)	JVM-P	Submitted on time	15, December, 2020	-
8	Jharkhand Mukti Morcha	JMM	Submitted on time	15, December, 2020	-
9	Dravida Munnetra Kazhagam	DMK	Submitted on time	24, December, 2020	-

Regional Parties: Due date for submission: 31 Oct,'20, Extended to 30 June 2021 due to Covid pandemic					
S.No.	Political Party	Party Code	Status of submission	Date of submission	No. of days by which delayed
10	Janata Dal (United)	JDU	Submitted on time	28, December, 2020	-
11	Nationalist Democratic Progressive Party	NDPP	Submitted on time	28, December, 2020	-
12	Shiromani Akali Dal	SAD	Submitted on time	28, December, 2020	-
13	All India Forward Bloc	AIFB	Submitted on time	31, December, 2020	-
14	Pattali Makkal Katchi	PMK	Submitted on time	11, January, 2021	-
15	Telugu Desam Party	TDP	Submitted on time	13, January, 2021	-
16	Mizoram People's Conference	MPC	Submitted on time	13, January, 2021	-
17	AJSU Party	AJSU	Submitted on time	15, January, 2021	-
18	Sikkim Democratic Front	SDF	Submitted on time	16, January, 2021	-
19	Janata Dal Secular	JDS	Submitted on time	18, January, 2021	-
20	Aam Aadmi Party	AAP	Submitted on time	21, January, 2021	-
21	All India Majlis-e-Ittehadul Muslimeen	AIMIM	Submitted on time	25, January, 2021	-
22	Yuvajana Sramika Rythu Congress Party	YSR-C	Submitted on time	27, January, 2021	-
23	Desiya Murpokku Dravida Kazhagam	DMDK	Submitted on time	1, February, 2021	-
24	Goa Forward Party	GFP	Submitted on time	8, February, 2021	-
25	All India N.R. Congress	AINRC	Submitted on time	11, February, 2021	-
26	Telangana Rashtra Samithi	TRS	Submitted on time	15, February, 2021	-
27	Rashtriya Janata Dal	RJD	Submitted on time	5, April, 2021	-
28	Samajwadi Party	SP	Submitted on time	7, April, 2021	-
29	Indian National Lok Dal	INLD	Submitted on time	10, April, 2021	-
30	Maharashtrawadi Gomantak Party	MGP	Submitted on time	12, April, 2021	-
31	Shiv Sena	SHS	Submitted on time	12, April, 2021	-
32	Asom Gana Parishad	AGP	Submitted on time	13, April, 2021	-
33	Lok Jan Shakti Party	LJP	Submitted on time	14, April, 2021	-
34	Mizo National Front	MNF	Submitted on time	16, April, 2021	-
35	Rashtriya Loktantrik Party	RLP	Submitted on time	24, April, 2021	-
36	Sikkim Krantikari Morcha	SKM	Submitted on time	2, May, 2021	-
37	Jannayak Janta Party	JJP	Submitted on time	21-Jun-21	-
38	Naga People Front	NPF	Submitted with delay	28, July, 2021	27 Days
39	Indian Union Muslim League	IUML	Submitted with delay	18-Aug-21	48 Days
40	Zoram Nationalist Party	ZNP	Submitted with delay	01-Sep-21	62 Days
41	Indigenous People's Front of Tripura	IPFT	Submitted with delay	01-Sep-21	62 Days
42	Kerala Congress (M)	KC-M	Submitted with delay	16-Sep-21	77 Days
43	Maharashtra Navnirman Sena	MNS	-	-	103 Days
44	Jammu & Kashmir National Panthers Party	JKNPP	-	-	103 Days
45	Rashtriya Lok Samta Party	RLSP	-	-	103 Days
46	Bodoland Peoples Front	BPF	-	-	103 Days
47	Hill State People's Democratic Party	HSPDP	-	-	103 Days
48	Jammu & Kashmir National Conference	JKNC	-	-	103 Days
49	People's Democratic Front	PDF	-	-	103 Days
50	People's Party of Arunachal	PPA	-	-	103 Days
51	Revolutionary Socialist Party	RSP	-	-	103 Days
52	United Democratic Party	UDP	-	-	103 Days
53	Janta Congress Chhattisgarh (J)	JCC (J)	-	-	103 Days

क्षेत्रीय दलों द्वारा घोषित कुल आय : वित्तीय वर्ष-2019-20

- वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान **42 क्षेत्रीय दलों** की कुल आय **रु 877.957 करोड़** थी |
- **टीआरएस** ने सबसे अधिक **रु 130.46 करोड़** की आय घोषित की है जो **42 दलों** की कुल आय का **14.86%** है इसके बाद **शिवसेना** की कुल आय **रु 111.403 करोड़** (दलों की कुल आय का **12.69%)** और **वाईएसआर- कांग्रेस** ने अपनी कुल आय **रु 92.739 करोड़** घोषित की है, जो सभी **42 दलों** की कुल आय का **10.56%** है |
- शीर्ष **5 क्षेत्रीय दलों** की कुल आय मिलाकर **रु 516.482 करोड़** है जो 42 दलों की कुल आय का **58.83%** है |

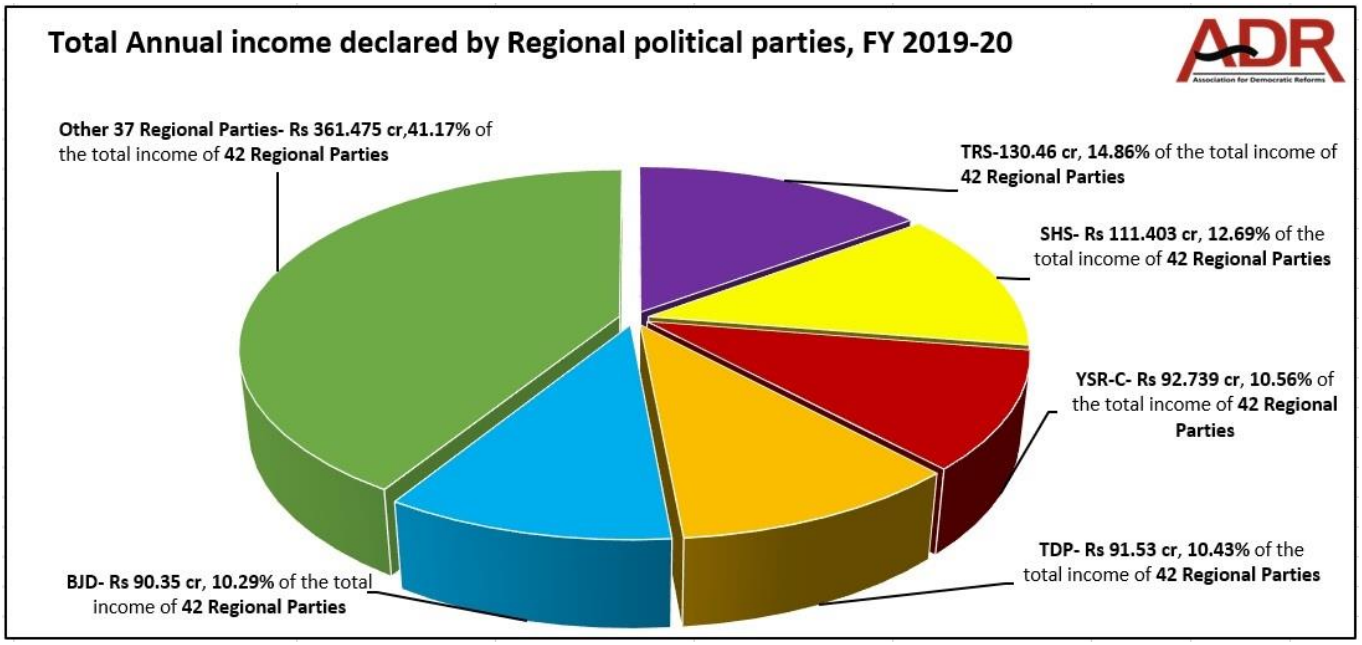

क्षेत्रीय दलों द्वारा घोषित वित्तीय वर्ष 2018-19 और 2019-20 के बीच की आय की तुलना

- चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध **39** क्षेत्रीय दलों के दो साल के ऑडिट रिपोर्ट से पता चलता है की **23 दलों** ने वित्तीय वर्ष 2018-19 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान अपनी आय में **वृद्धि** दर्शायी है जबकि **16 दलों** ने अपनी आय **कम घोषित** की है | (**अनुबंध एक** को देखें)
- वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, **39 क्षेत्रीय दलों** की कुल आय **रु 1087.206 करोड़** थी जो वित्तीय वर्ष 2019-20 में **19.57%** (**212.739 करोड़**) घटकर **रु 874.467 करोड़** हो गयी |
- **एआईडीएमके** ने वित्तीय वर्ष 2018-19 की तुलना में इस साल (वित्तीय वर्ष 2019-20) **रु 61.506 करोड़** की आय अधिक दिखाई है इसके बाद **डीएमके** ने **रु 38.557 करोड़** और **आम आदमी पार्टी** ने **रु 30.337 करोड़** की आय में वृद्धि घोषित की है |

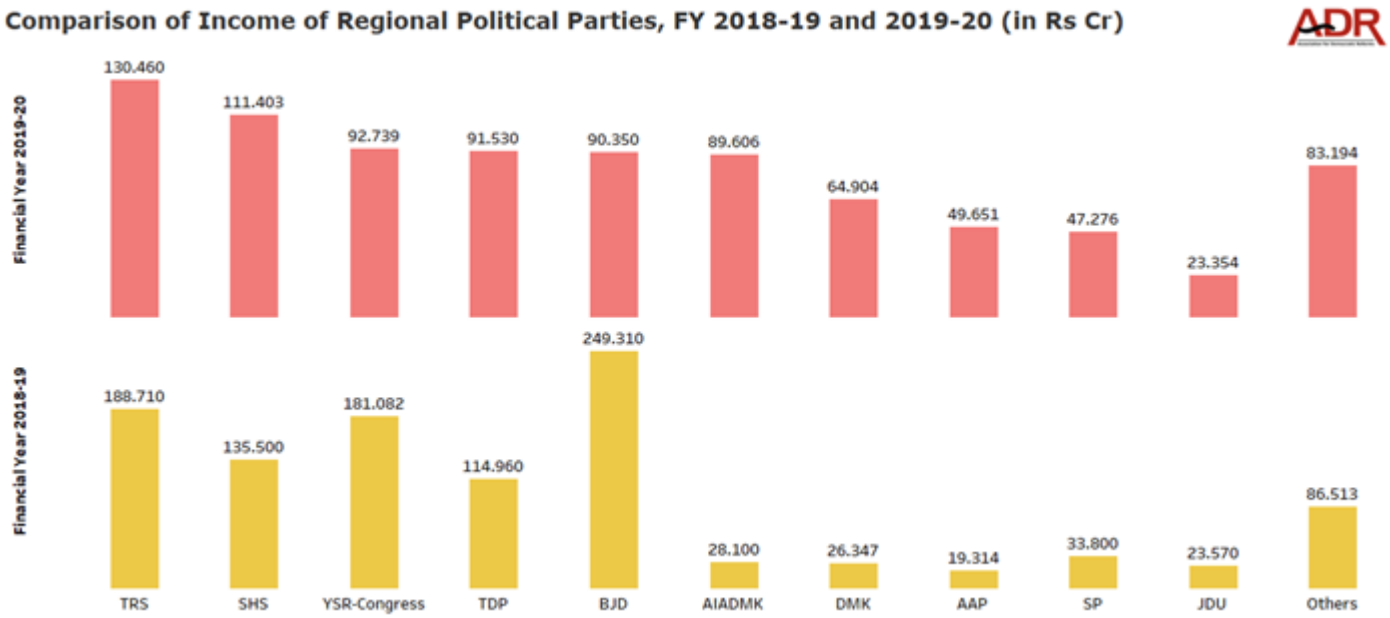

क्षेत्रीय दलों द्वारा खर्च नहीं की गयी आय : वित्तीय वर्ष 2019-20

- वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, **24 दलों** ने अपनी आय से **कम खर्च** किया है जबकि **18 दलों** ने अपनी एकत्रित आय से **अधिक खर्च घोषित** किया है |
- वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए, **टीआरएस** ने अपने कुल आय का **83.76% एआईडीएमके** ने **67.82%** और **जननायक जनता दल** ने **64%** की आय खर्च नहीं किया है |
- इन 18 राजनीतिक दलों (टीडीपी, बीजेडी, डीएमके, समाजवादी पार्टी, जेडीएस, एजेएसयू, जेवीएम-पी, आईएनएलडी, पीएमके, एमजीपी, गोवा फॉरवर्ड पार्टी, एसडीएफ, एमएनएफ, एआईएफबी, एनपीएफ जेकेपीडीपी, जननायक जनता और एमपीसी) ने अपनी आय से **अधिक खर्च** किया है | **बीजेडी** ने अपने ऑडिट रिपोर्ट में आय से **रु 95.78 करोड़** (106.01%) अधिक खर्च दर्शाया है |

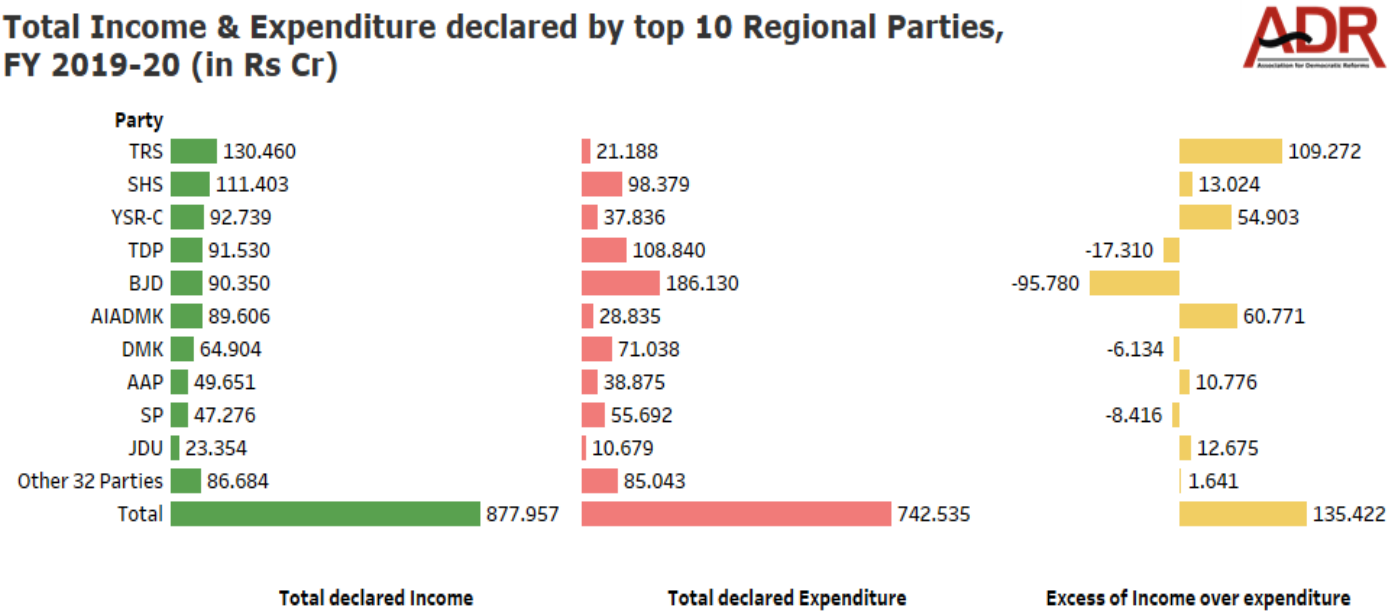

क्षेत्रीय दलों का कुल व्यय : वित्तीय वर्ष 2019-20

- वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान **42 क्षेत्रीय दलों** की कुल खर्च **रु 742.535 करोड़** थी |
- शीर्ष तीन दलों ने कुल मिलाकर **रु 393.35 करोड़** खर्च किये जो **42 राजनीतिक दलों** के कुल खर्च का **52.97%** था |
- सबसे ज्यादा खर्च करने वाले शीर्ष **5 क्षेत्रीय दलों** में **बीजेडी** ने **रु 186.13 करोड़** (42 दलों के कुल खर्च का **25.07%)** का खर्च घोषित किया है | इसके बाद **टीडीपी** ने **रु 108.84 करोड़** (42 दलों के कुल खर्च का **14.66%**), **शिवसेना** ने **रु 98.379 करोड़** (42 दलों के कुल खर्च का **13.25%)**, **डीएमके** ने **रु 71.038 करोड़** (42 दलों के कुल खर्च का **9.57%)** और **समाजवादी पार्टी** ने **रु 55.692 करोड़** (42 दलों के कुल खर्च का **7.50%)** का खर्च दर्शाया है |

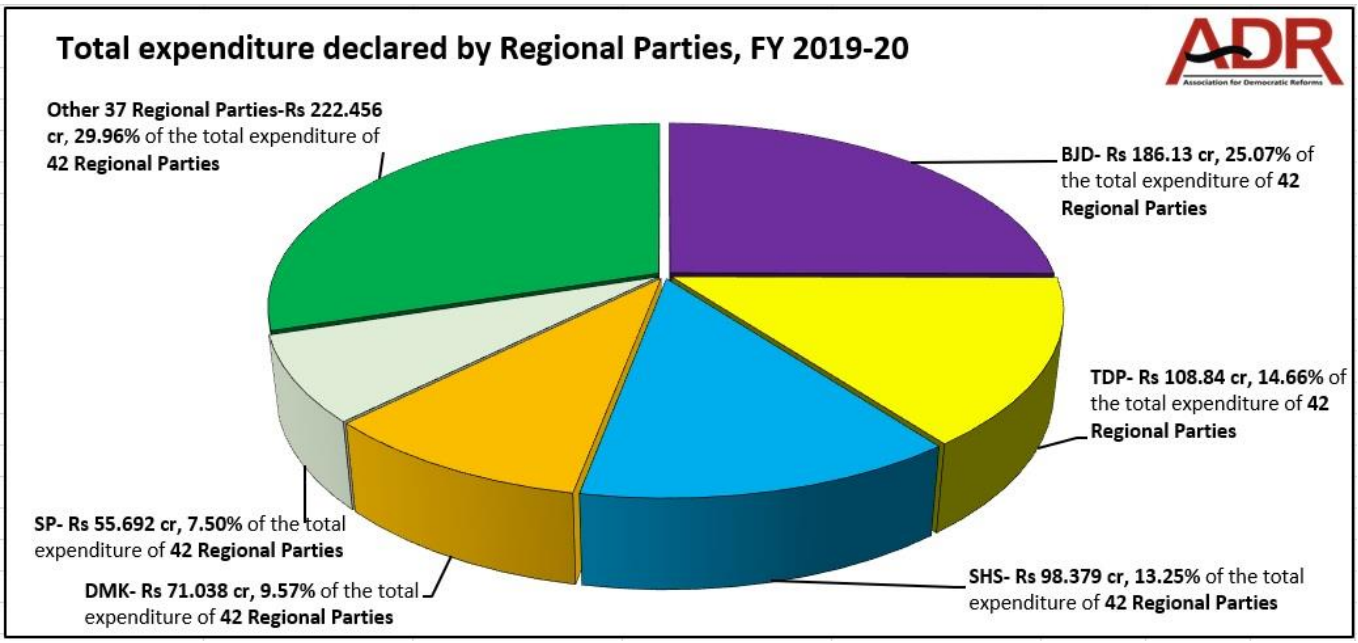

क्षेत्रीय दलों द्वारा घोषित सभी आय के स्त्रोत : वित्तीय वर्ष 2018-19

- वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, 42 क्षेत्रीय दलों ने **स्वैच्छिक योगदान** (दान और चुनावी बांड्स) से कुल **77.03%** (रु 676.326 करोड़) की आय अर्जित की है |
- 42 क्षेत्रीय दलों ने कुल मिलाकर **रु 447.498 करोड़** (42 दलों की कुल आय का **50.97%**) की राशि **चुनावी बांड्स** के माध्यम से प्राप्त किया है जबकि अन्य दान से दलों को **रु 228.828 करोड़** (42 दलों की कुल आय का **26.06%**) की राशि मिली है |
- 42 क्षेत्रीय दलों में से केवल **14 दलों** ने ही कुल मिलाकर **रु 447.498 करोड़** की धनराशि **चुनावी बांड्स** से दर्शाया है |
- **बैंकों से ब्याज** के माध्यम से 42 क्षेत्रीय दलों ने कुल मिलाकर **12.96%** या **रु 113.761 करोड़** की आय प्राप्त की है |

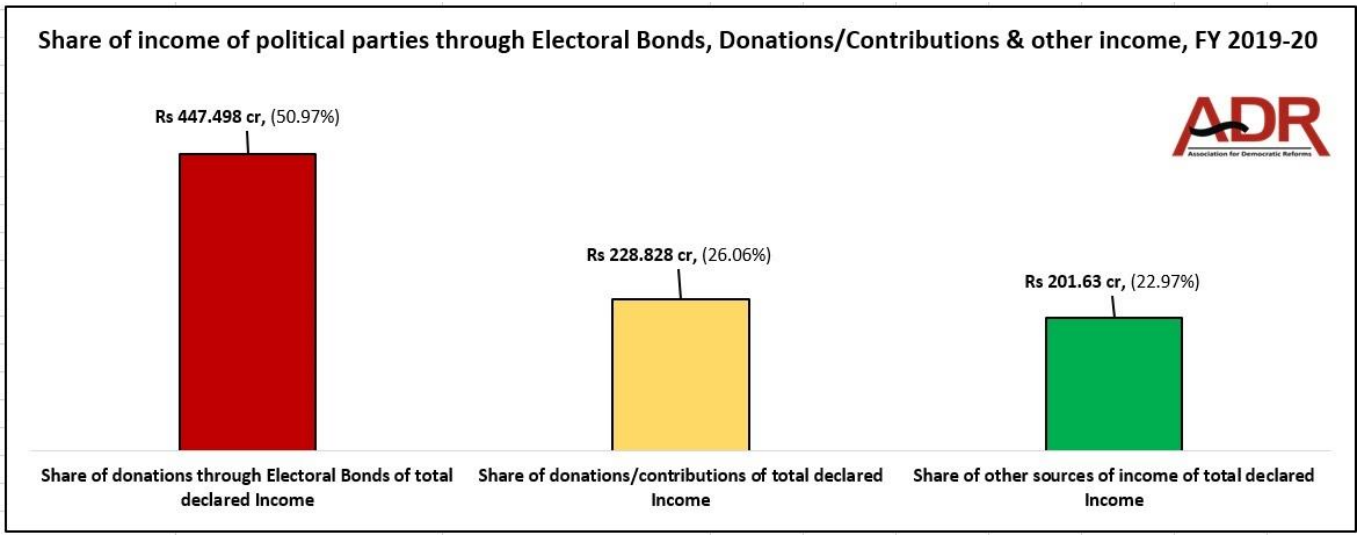

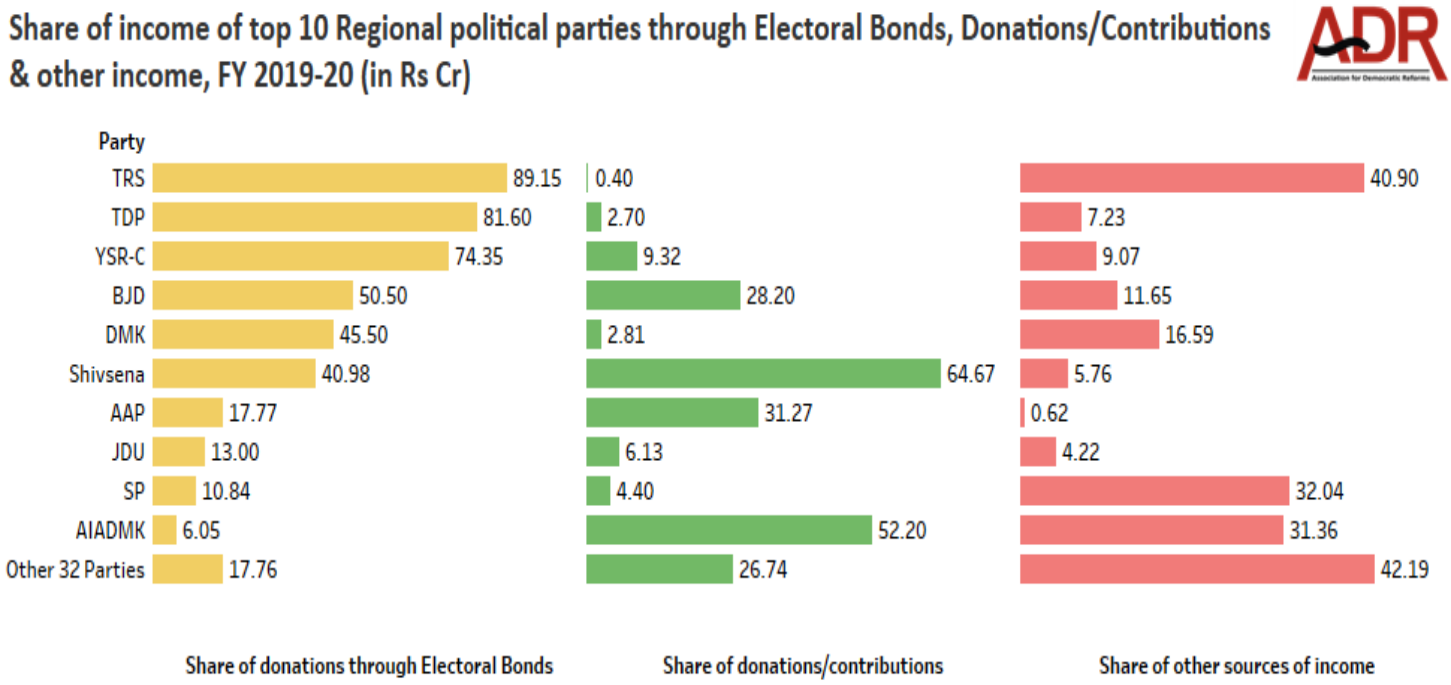

एडीआर की अवलोकन

- **पांच दलों** (एनपीएफ, आईयूएमएल, ज़ेडएनपी, आईपीएफटी और केसी-एम) ने अपना ऑडिट रिपोर्ट **27 दिनों** से लेकर **77 दिनों** की देरी के बाद चुनाव आयोग को जमा किया था जबकि **11 क्षेत्रीय दलों** के ऑडिट रिपोर्ट **103 दिनों** के बाद भी (दिनांक -11 अक्टूबर 2021 तक) आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं हैं |
- वित्तीय वर्ष 2019-20 के विश्लेषण से पता चलता है की **42 क्षेत्रीय दलों** की कुल आय में से **रु 447.498 करोड़** (42 दलों की कुल आय का **50.97%**) की आय **चुनावी बांड्स** के माध्यम से प्राप्त हुई है, जो **गुमनाम** है तथा इन दान दाताओं की पहचान **सार्वजनिक तौर से प्रकट नहीं** की जाती है |
- वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए 42 क्षेत्रीय दलों का मुख्य खर्च **चुनाव व्यय, प्रशासनिक और सामान्य व्यय** है |

- जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) ने अनुदान/दान/योगदान के अंतर्गत **सदस्यता शुल्क** और **अन्य शुल्क** की घोषणा की है |
- वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए **आईयूएमएल दल** ने अपनी ऑडिट रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष **2018-19 के शीर्षक** के तहत आय और व्यय का विवरण घोषित किया है | यह राजनीतिक दल और चुनाव आयोग दोनों की तरफ से खुलासे या रिपोर्टिंग के प्रति उदासीन दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसने बिना सुधार किए या पार्टी से कोई स्पष्टीकरण मांगे बिना ही ऑडिट रिपोर्ट को अपलोड की है |
- वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए, सात राष्ट्रीय दलों की वार्षिक आय में **62%** (रु 2993.826 करोड़) से अधिक दानराशि **चुनावी बांड** के माध्यम से आयी है | जिन दानदाताओं ने चुनावी बांड के माध्यम से दान दिया है उनकी पहचान सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध नहीं होती है | अभी तक आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध क्षेत्रीय दलों की ऑडिट रिपोर्ट के अध्ययन से पता चलता है की केवल **14 क्षेत्रीय दलों** (टीआरएस, टीडीपी, वाईएसआर-कांग्रेस, बीजेडी, डीएमके, शिवसेना, आम आदमी पार्टी, जेडीयू, समाजवादी पार्टी, जेडीएस, शिरोमणि अकाली दल, एआईडीएमके, आरजेडी और जेएमएम) ने चुनावी बॉन्ड के माध्यम **रु 447.498 करोड़** का चंदा प्राप्त करने कि घोषणा की है जो 42 क्षेत्रीय दलों के कुल आय का **50.97%** है |
- एडीआर के आरटीआई आवेदन के जवाब में एसबीआई द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान राजनीतिक दलों ने **रु 3429.5586 करोड़** के चुनावी बांड का नकदीकरण किया था | इसमें से **87.29%** का बांड राशि **चार राष्ट्रीय दलों** (बीजेपी, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और एनसीपी) द्वारा प्राप्त किया गया था | वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों ने चुनावी बांड के माध्यम से **रु 3441.324 करोड़** की धनराशि घोषित की है | राजनीतिक दलों द्वारा घोषित धनराशि और एसबीआई से नकदीकरण किए गए चुनावी बांड राशि में अंतर देखा गया है जो दलों द्वारा अपने ऑडिट विवरण में घोषित रिपोर्ट करने के तरीके के कारण से हो सकता है | उदाहरण के लिए : **आम आदमी पार्टी** ने आय के स्त्रोतों में "**अन्य (इलेक्टोरल बॉन्ड/इलेक्टोरल ट्रस्ट)** स्त्रोत के तहत चुनावी बॉन्ड से दान की घोषणा की है | यह भी नोट किया जा सकता है कि कई अन्य क्षेत्रीय दलों कि ऑडिट रिपोर्ट अभी तक चुनाव आयोग कि वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है | एक बार जब सभी दलों का ऑडिट रिपोर्ट उपलब्ध हो जाये और वो दल चुनावी बॉन्ड के माध्यम से दान प्राप्त करने कि घोषणा करते हैं तो चुनावी बॉन्ड से प्राप्त दान का कुल हिस्सा और बढ़ सकता है |
- कुछ राष्ट्रीय दलों ने **चुनावी बॉन्ड योजना 2018** की अत्यधिक आलोचना और योजना पर चिंता व्यक्त की है | वे सार्वजनिक बहस में इस योजना की आलोचना करते रहते हैं | **कांग्रेस ने लोक सभा चुनाव 2019** के लिए अपने घोषणापत्र में घोषणा की थी की अगर उनकी पार्टी सरकार में आती है तो वो इस चुनावी बॉन्ड योजना को **समाप्त कर देंगे** | हालाँकि, यह विडंबना है कि यही पार्टियां चुनावी बॉन्ड के माधयम से चंदा स्वीकार करना जारी रखती है | यह कुछ राजनीतिक दलों द्वारा अपनाए गए दोहरे मानकों को प्रदर्शित करता है |
- वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के लिए आय का सबसे आम और लोकप्रिय स्त्रोत चुनावी बांड के माध्यम से दान है | पिछले दो वर्षों से चुनावी बांड के माध्यम से दान प्राप्त करना राजनीतिक दलों के लिए सबसे लोकप्रिय माध्यम से रूप में उभरा है | यहाँ पर ध्यान दिया जाये की वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए, **झारखण्ड मुक्ति मोर्चा** ने अपनी योगदान रिपोर्ट में **चुनावी बांड** के माध्यम से **रु 1 करोड़** का दान देने वाले दानदाता का नाम घोषित किया है | हालाँकि पार्टी ने वित्तीय वर्ष 2019-20 के **ऑडिट रिपोर्ट में** चुनावी बांड्स से दान प्राप्त करने की घोषणा नहीं की है | इससे सवाल उठता है कि क्या राजनीतिक दलों को चुनावी बांड से दान देने वाले दानदाता के बारे में पता है | जैसा कि इस मामले में देखा जा सकता है |

- वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, 42 क्षेत्रीय दलों में से **जेडीएस, शिरोमणि अकाली दल, जेवीएम-पी** और **एलजेपी** ने **कूपन की बिक्री** से **रु 14.884 करोड़** की आय प्राप्त की है |

एडीआर के सुझाव

- सुप्रीम कोर्ट ने 13 सितम्बर 2013 को यह घोषित किया कि उम्मीदवारों के शपथपत्र का कोई भी हिस्सा खाली नहीं रहना चाहिए इसी के तर्ज पर फार्म 24ए (जोकि राजनीतिक दलों द्वारा रु 20,000 से ज्यादा दान देने वाले लोगों के लिए प्रस्तुत किया जाता है) का भी कोई हिस्सा खाली नहीं होना चाहिए |
- क्योंकि राजनीतिक दलों की आय का अधिकतम प्रतिशत (75 प्रतिशत) अज्ञात स्त्रोतों से आता है, दानदाताओं की पूरी जानकारी, सार्वजनिक जाँच के लिए आम जनता को उपलब्ध होनी चाहिए | भूटान, नेपाल, जर्मनी, फ्रांस, इटली, ब्राजील, बल्गेरिया, अमेरिका तथा जापान जैसे देशों में ऐसा किया जाता है | इन देशों में से किसी भी देश में राजनीतिक दलों के आय स्त्रोत का 75 प्रतिशत अज्ञात रहना असम्भव होगा |
- वित्त विधेयक 2017 के अनुसार इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 13A में यह संशोधन किया गया था की सभी पंजीकृत राजनीतिक दलों को कर में छूट दी जाएगी "बशर्ते वो राजनीतिक दल जो अपने पिछले साल का आयकर विवरण (ऑडिट रिपोर्ट) एक निश्चित प्रारूप में नियमित तारीख तक आयकर विभाग को जमा करता है" | इस प्रकार जो दल निर्धारित तारीख पर या उससे पहले अपना ऑडिट रिपोर्ट आयकर विभाग को जमा नहीं करता है ऐसे दलों को कर में छूट नहीं देनी चाहिए और इनकी मान्यता भी रद्द कर देनी चाहिए |
- चुनावी बॉन्ड्स ने चुनावी फंडिंग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी को रोककर नागरिकों के मौलिक 'जानने का अधिकार' का उल्लंघन किया है | इस तरह कि अपारदर्शिता बड़े सार्वजनिक हित की कीमत पर है और पारदर्शिता और जवाबदेही के मूल सिद्धांतों के लिए एक गंभीर झटका है इसलिए चुनावी बॉन्ड्स योजना, 2018 को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाना चाहिए |
- चुनाव आयोग/सीबीडीटी/ कैग या अन्य किसी संबंधित संस्थान को यह देखरेख करने की जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए कि चुनावी बांड के नकदीकरण और दलों द्वारा चुनावी बॉन्ड के माध्यम से प्राप्त दान के मूल्य में कोई भिन्नता तो नहीं है और केवल योग्य राजनीतिक दलों को चुनावी बॉन्ड्स से दान प्राप्त हो रहा है |
- राजनीतिक दलों को **सूचना के अधिकार** के तहत अपने वित्त सबंधित सभी जानकारी प्रदान करनी चाहिए जो राजनीतिक दलों, चुनावों और लोकतंत्र को मजबूत करेगा |
- आईसीएआई के दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने वाले राजनीतिक दलों को आयकर विभाग द्वारा जाँच किया जाना चाहिए |

अस्वीकरण

रिपोर्ट में इस्तेमाल सभी जानकारी चुनाव आयोग के वेबसाइट में राजनीतिक दलों के पेज. से लिया गया है https://eci.gov.in/files/category/1509-recognized-state-parties/ रिपोर्ट बनाते समय सुचना का पूर्ण ध्यान रखा गया है | यदि रिपोर्ट में दी गयी जानकारी में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कोई त्रुटि पायी जाती है तो राजनीतिक दलों द्वारा जमा किये गए ऑडिट रिपोर्ट का विवरण ही ठीक माना जायेगा | एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म और उनके स्वंयसेवक जिम्मेदार नही होंगे |

वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, राष्ट्रीय राजनीतिक दलों द्वारा घोषित आय और व्यय के विवरण के लिए कृपया **यहाँ क्लिक करें** और वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए क्षेत्रीय राजनीतिक दलों द्वारा घोषित आय और व्यय का विवरण के लिए **क्लिक करें** |

सम्पर्क

Media and Journalist Helpline +91 80103 94248 Email: adr@adrindia.org	Maj. Gen Anil Verma (Retd.) Head National Election Watch, Association for Democratic Reforms +91 11 4165 4200 +91 88264 79910 anilverma@adrindia.org	Prof Jagdeep Chhokar IIM Ahmedabad (Retd.) Founder Member National Election Watch, Association for Democratic Reforms +91 99996 20944 jchhokar@gmail.com	Prof Trilochan Sastry IIM Bangalore Founder Member, National Election Watch, Association for Democratic Reforms +91 94483 53285 tsastry@gmail.com

अनुबंध – 1

Regional Parties' Audit report status as per ECI website: FY 2018-19 and 2019-20				
S.No.	**Political Party**	**Party code**	**Financial Year 2018-19**	**Financial Year 2019-20**
1	Aam Aadmi Party	AAP	Submitted	Submitted
2	Asom Gana Parishad	AGP	Submitted	Submitted
3	All India Anna Dravida Munnetra Kazhagam	AIADMK	Submitted	Submitted
4	All India Forward Bloc	AIFB	Submitted	Submitted
5	All India Majlis-e-Ittehadul Muslimeen	AIMIM	Submitted	Submitted
6	All India N.R. Congress	AINRC	Submitted	Submitted
7	All India United Democratic Front	AIUDF	Submitted	Submitted
8	AJSU Party	AJSU	Submitted	Submitted
9	Biju Janata Dal	BJD	Submitted	Submitted
10	Desiya Murpokku Dravida Kazhagam	DMDK	Submitted	Submitted
11	Dravida Munnetra Kazhagam	DMK	Submitted	Submitted
12	Goa Forward Party	GFP	Submitted	Submitted
13	Indian National Lok Dal	INLD	Submitted	Submitted
14	Indian Union Muslim League	IUML	Submitted	Submitted
15	Janata Dal (Secular)	JDS	Submitted	Submitted
16	Janata Dal (United)	JDU	Submitted	Submitted

Regional Parties' Audit report status as per ECI website: FY 2018-19 and 2019-20				
S.No.	**Political Party**	**Party code**	**Financial Year 2018-19**	**Financial Year 2019-20**
17	Jammu and Kashmir Peoples Democratic Party	JKPDP	Submitted	Submitted
18	Jharkhand Mukti Morcha	JMM	Submitted	Submitted
19	Jharkhand Vikas Morcha (Prajatantrik)	JVM-P	Submitted	Submitted
20	Kerala Congress (M)	KC-M	Submitted	Submitted
21	Lok Janshakti Party	LJP	Submitted	Submitted
22	Maharashtrawadi Gomantak Party	MGP	Submitted	Submitted
23	Mizo National Front	MNF	Submitted	Submitted
24	Mizoram People's Conference	MPC	Submitted	Submitted
25	Nationalist Democratic Progressive Party	NDPP	Submitted	Submitted
26	Naga People's Front	NPF	Submitted	Submitted
27	Progressive Democratic Alliance	PDA	Submitted	Submitted
28	Pattali Makkal Katchi	PMK	Submitted	Submitted
29	Rashtriya Janata Dal	RJD	Submitted	Submitted
30	Rashtriya Lok Dal	RLD	Submitted	Submitted
31	Shiromani Akali Dal	SAD	Submitted	Submitted
32	Sikkim Democratic Front	SDF	Submitted	Submitted
33	Shivsena	SHS	Submitted	Submitted
34	Sikkim Krantikari Morcha	SKM	Submitted	Submitted
35	Samajwadi Party	SP	Submitted	Submitted
36	Telugu Desam Party	TDP	Submitted	Submitted
37	Telangana Rashtra Samithi	TRS	Submitted	Submitted
38	Yuvajana Sramika Rythu Congress Party	YSR-Congress	Submitted	Submitted
39	Zoram Nationalist Party	ZNP	Submitted	Submitted
40	Indigenous People's Front of Tripura	IPFT	**Not available on the ECI website**	Submitted
41	Jannayak Janata Party	JJP	**Not available on the ECI website**	Submitted
42	Rashtriya Loktantrik Party	RLP	**Not available on the ECI website**	Submitted
43	Bodoland People's Front	BPF	Submitted	**Not available on the ECI website**
44	Jammu and Kashmir National Panthers Party	JKNPP	Submitted	**Not available on the ECI website**
45	Rashtriya Lok Samta Party	RLSP	Submitted	**Not available on the ECI website**
46	Maharashtra Navnirman Sena	MNS	Submitted	**Not available on the ECI website**